Daily Current Affairs

Date : 29 January, 2026

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेंस पॉलिसी – 2026
2.	राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड द्वारा 'इंडिया ग्रोथ फंड IV' लॉन्च
3.	जूनियर नेशनल जूडो चैंपियनशिप 2025-26 (राजस्थान की पुरुष टीम विजेता)
4.	खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स – 2026 (डूँगरपुर और उदयपुर में सलेक्शन ट्रायल)
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. इंडिया स्टोनमार्ट मोबाइल ऐप 2. राजस्थान और उत्तर भारत का पहला फॉस्फेट उर्वरक संयंत्र 3. बेणेश्वर मेला – डूँगरपुर 4. 1st ऑल इंडिया फायर सर्विस स्पोर्ट्स मीट : उदयपुर 5. ऑनलाइन सर्वेक्षण में राजस्थान की झाँकी तीसरे स्थान पर 6. नरेन्द्र कुमार शारदा को लाइफ टाइम मेरिटोरियस सर्विस अवार्ड–2025 7. दिलीप सिंह शेखावत
6.	4B आंदोलन
7.	यूराटॉम
8.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026
9.	पेरिस जलवायु समझौता
10.	पंचम चैटबॉट
11.	निपाह वायरस
12.	राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 2026
13.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्चतर शिक्षण संस्थाओं में समानता का संवर्धन) विनियम-2026
14.	बौद्ध डायमंड ट्रायंगल
15.	तेलुगु शिलालेख

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेंस पॉलिसी – 2026

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान मंत्रिमण्डल द्वारा 21 जनवरी, 2026 को 'राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेंस पॉलिसी – 2026' का अनुमोदन किया गया।

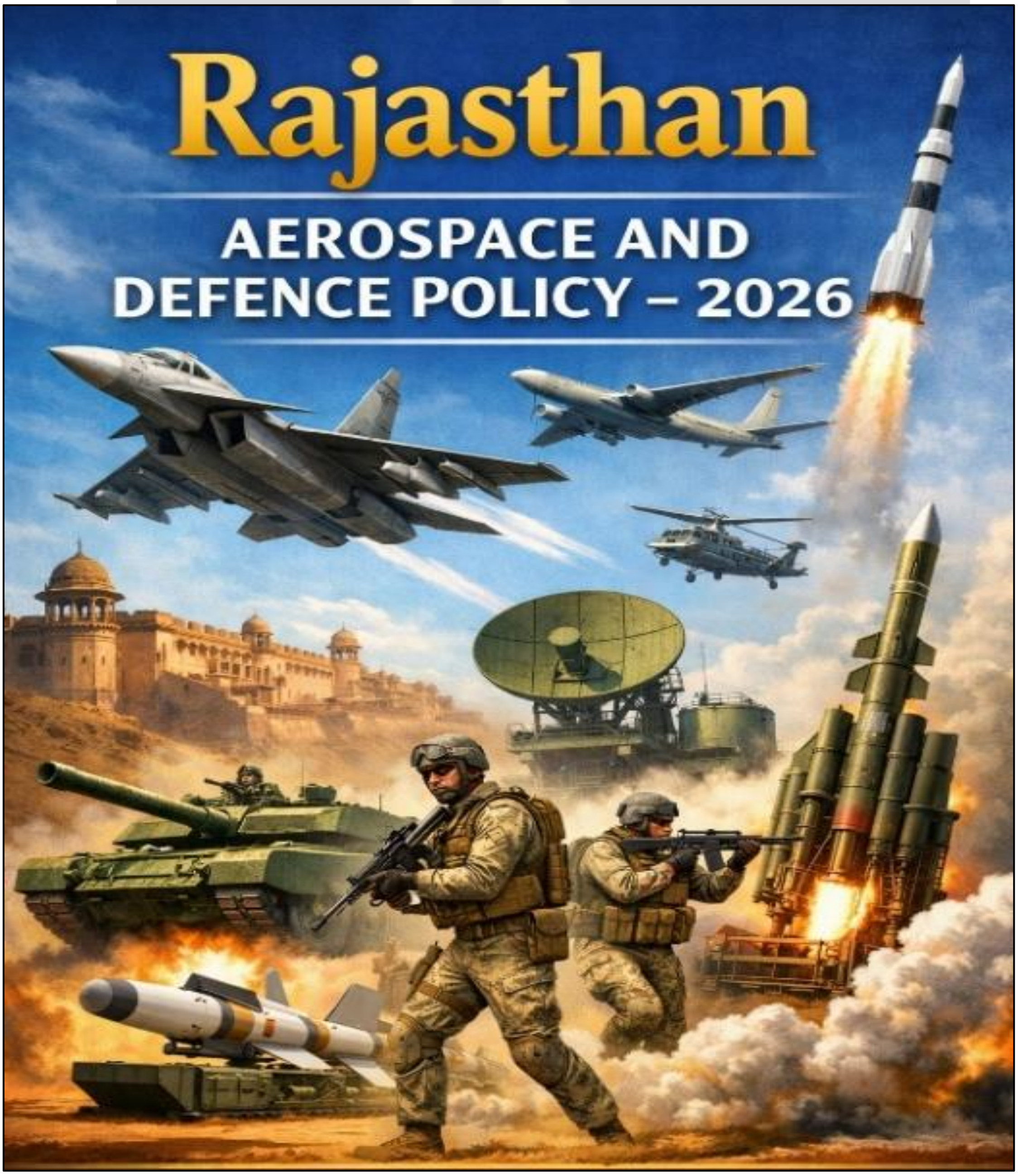

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- उद्देश्य : प्रदेश में रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देना तथा राजस्थान को एयरोस्पेस और डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाना।
- इस पॉलिसी के तहत MSMEs, स्टार्टअप्स और नवाचार आधारित इकोसिस्टम के विकास पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है।
- इस नीति के अंतर्गत एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, उपकरण एवं घटक निर्माता, सप्लायर एवं प्रिसीजन इंजीनियरिंग यूनिट
- MRO (मेंटेनेन्स, रिपेयर एवं ओवरहॉलिंग) इकाइयों को बढ़ावा दिया जाएगा।
- यह नीति प्रदेश में रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने के साथ ही राजस्थान को एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगी।
- निवेश के आधार पर परियोजनाओं का वर्गीकरण : राजस्थान सरकार द्वारा जारी इस नीति में निवेश के आधार पर परियोजनाओं का वर्गीकरण किया गया है।

विनिर्माण क्षेत्र (Manufacturing) :

- ₹50–300 करोड़ – लार्ज।
- ₹300–1000 करोड़ – मेगा।
- ₹1000 करोड़ से अधिक - अल्ट्रा मेगा।

सेवा क्षेत्र (Service Sector) :-

- ₹25–100 करोड़ – लार्ज।
- ₹100–250 करोड़ – मेगा।
- ₹250 करोड़ से अधिक - अल्ट्रा मेगा।

प्रमुख प्रोत्साहन (Incentives) : -

- एसेट क्रिएशन इंसेंटिव : नीति के तहत एयरो एण्ड डिफेंस पार्कों (A&D) में लगने वाले पात्र एयरोस्पेस एवं डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग और सेवा उद्यमों को एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव के रूप में 7 वर्षों तक राज्य कर के 75 प्रतिशत पुनर्भरण का निवेश अनुदान दिया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- विनिर्माण उद्यमों के लिए 20 से 28 प्रतिशत और सर्विस सेक्टर के लिए 14 से 20 प्रतिशत तक 10 वर्षों में वितरित पूंजीगत अनुदान अथवा 10 वर्षों तक वार्षिक किश्तों में देय 1.2 प्रतिशत से 2 प्रतिशत तक टर्नओवर लिंक्ड इन्सेन्टिव में से किसी एक विकल्प का चयन करने की सुविधा दी जाएगी।
- इसके अतिरिक्त इन प्रोत्साहनों पर टॉप-अप के रूप में 10 से 15 प्रतिशत एम्प्लॉयमेंट बूस्टर, पहली तीन मेगा अथवा अल्ट्रा मेगा इकाइयों के लिए 25 प्रतिशत सनराइज बूस्टर, 10 प्रतिशत एंकर बूस्टर, 20 प्रतिशत थ्रस्ट बूस्टर जैसे लाभ भी प्रदान किए जाएंगे।
- रीको से भूमि लेने वाले मेगा, अल्ट्रा मेगा विनिर्माण उद्यमों को 10 वर्षों तक फ्लेक्जिबल लैण्ड पेमेंट और 5 वर्षों के लिए 25 प्रतिशत ऑफिस स्पेस हेतु लीज रेन्टल सब्सिडी का लाभ भी देय होगा।
- पॉलिसी में विशेष इन्सेंटिव्स का भी प्रावधान किया गया है, जिनमें बैंकिंग, व्हीलिंग और ट्रांसमिशन चार्जेज में छूट, फ्लेक्सिबल लैंड पेमेंट मॉडल, ऑफिस-स्पेस लीज रेंटल सब्सिडी तथा कैप्टिव पावर प्लांट में किए गए निवेश का 51 प्रतिशत पात्र स्थायी पूंजीगत निवेश में शामिल करना शामिल है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **ड्यूंस एविएशन एकेडमी :** हमीरगढ़ (भीलवाड़ा) में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा उद्घाटन।
- राजस्थान सरकार द्वारा एविएशन सेक्टर के तीव्र विकास के लिए 'राजस्थान नागरिक उड्डयन नीति-2024' लॉन्च की गई है।
- इस नीति का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना और राजस्थान को देश का एविएशन हब बनाना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड द्वारा 'इंडिया ग्रोथ फंड IV' लॉन्च

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड ने ₹150 करोड़ के मुख्य कोष तथा ₹100 करोड़ के ग्रीन शू विकल्प के साथ अपना चौथा 'इंडिया ग्रोथ फंड IV' लॉन्च किया।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य :** यह फंड उन प्री-सीरीज़ A और सीरीज़ A टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स में निवेश के लिए तैयार किया गया है, जिनके स्केलेबल व्यवसाय मॉडल हों, रोजगार सृजन की मजबूत क्षमता रखते हों और जिनका व्यापक आर्थिक प्रभाव हो।
- **क्षेत्र :** प्राथमिक निवेश क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, कृषि प्रौद्योगिकी, स्वच्छ प्रौद्योगिकी तथा डिजिटल परिवर्तन शामिल हैं।
- यह फंड राजस्थान सरकार की नवाचार-आधारित विकास रणनीति और आत्मनिर्भर स्टार्टअप इकोसिस्टम के निर्माण के दीर्घकालिक लक्ष्य के अनुरूप है।
- 23 वर्षों से अधिक के संचालन अनुभव के साथ, राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड ने अब तक 44 निवेश किए हैं, जिनका फोकस मुख्यतः प्रथम पीढ़ी के उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) के समर्थन पर रहा है।

वेंचर कैपिटल फंड:

- वेंचर कैपिटल फंड (VCF) एक सामूहिक निवेश साधन है जो मुख्य रूप से उच्च विकास क्षमता वाले, नए स्टार्टअप्स और प्रारंभिक चरण की छोटी कंपनियों में पूंजी निवेश करता है।
- यह फंड पूँजीपतियों, संस्थागत निवेशकों और पेंशन फंड से पैसा जुटाकर, इक्विटी (स्वामित्व हिस्सेदारी) के बदले उच्च जोखिम वाली कंपनियों को वित्तपोषित करता है, जिसका उद्देश्य IPO या अधिग्रहण के माध्यम से बड़ा रिटर्न कमाना है।
- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (वैकल्पिक निवेश निधि) विनियम, 2012 के तहत, वेंचर कैपिटल फंड को श्रेणी I वैकल्पिक निवेश निधि के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

जूनियर नेशनल जूडो चैंपियनशिप 2025-26 (राजस्थान की पुरुष टीम विजेता)

चर्चा में क्यों?

- 23 से 26 जनवरी, 2026 तक कोलकाता में आयोजित जूनियर नेशनल जूडो चैंपियनशिप 2025-26 में राजस्थान की पुरुष टीम 2 स्वर्ण और 3 कांस्य पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियन बनी।

मुख्य बिन्दु:

राजस्थान के पदक विजेता :

- साजन (90 किलो – स्वर्ण पदक)
- यश यादव (100 किलो – स्वर्ण पदक)
- अतेश चतुर्वेदी (73 किलो – कांस्य पदक)
- बबनूर सिंह (100 किलो – कांस्य पदक)
- बबलदीप सिंह (100+ किलो – कांस्य पदक)।
- **आयोजन :** 23 से 26 जनवरी, 2026 तक कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंडोर स्टेडियम में।
- **आयोजक :** जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया और पश्चिम बंगाल जूडो एसोसिएशन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स – 2026 (डूँगरपुर और उदयपुर में सलेक्शन ट्रायल)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स – 2026 के लिए डूँगरपुर और उदयपुर में सलेक्शन ट्रायल (चयन स्पर्धा) का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **तीरन्दाजी (बालक एवं बालिका) व एथलेटिक्स (बालक एवं बालिका) के लिए चयन स्पर्धा का आयोजन :** स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, डूँगरपुर।
- **फुटबाल (बालक एवं बालिका), हॉकी (बालक एवं बालिका), तैराकी (बालक एवं बालिका) व कुश्ती (बालक एवं बालिका) के लिए चयन स्पर्धा का आयोजन :** महाराणा प्रताप खेलगाँव, उदयपुर।
- **भारोत्तोलन (बालक एवं बालिका) के लिए चयन स्पर्धा का आयोजन :** लव-कुश इण्डोर स्टेडियम, उदयपुर।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (KITG) का पहला संस्करण 14 फरवरी, 2026 से आयोजित किया जाएगा।
- **आयोजक राज्य :** छत्तीसगढ़।
- इन खेलों का आधिकारिक शुभंकर 'मोरवीर' (Morveer) है, जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और साहस का प्रतीक है।
- KITG के प्रथम संस्करण में कुल 7 खेलों को शामिल किया गया है, जो निम्न प्रकार है -
- तीरंदाजी (Archery), एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, कुश्ती (Wrestling) और तैराकी (Swimming)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**इंडिया स्टोनमार्ट मोबाइल ऐप** ▪ हाल ही में, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जयपुर में इंडिया स्टोनमार्ट मोबाइल ऐप का औपचारिक शुभारंभ किया। ▪ इंडिया स्टोनमार्ट का 13वाँ संस्करण : 5 से 8 फरवरी, 2026 तक जयपुर में। ▪ थीम : स्टोन फॉर सस्टेनेबिलिटी (Stone for Sustainability)। ▪ आयोजन स्थल : जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC), सीतापुरा। ▪ आयोजक : सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS)। ▪ प्रायोजक : राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम लिमिटेड (RIICO)
2.	**राजस्थान और उत्तर भारत का पहला फॉस्फेट उर्वरक संयंत्र** ▪ चित्तौड़गढ़ में उत्तर भारत और राजस्थान का पहला फॉस्फेट उर्वरक संयंत्र (Phosphate Fertiliser Plant) स्थापित किया जा रहा है। ▪ इस उर्वरक प्लांट का निर्माण हिंदुस्तान जिंक (वेदांता समूह) द्वारा किया जा रहा है, जो मुख्य रूप से DAP (Di-Ammonium Phosphate), NPK (Nitrogen-Phosphorus-Potassium) और अमोनियम फॉस्फेट सल्फेट जैसे उर्वरकों का उत्पादन करेगा। ▪ 1 मिलियन टन वार्षिक क्षमता वाले इस संयंत्र से स्थानीय किसानों को फसलों की बेहतर पैदावार मिलेगी और आयात निर्भरता कम होगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	**बेणेश्वर मेला – डूँगरपुर**

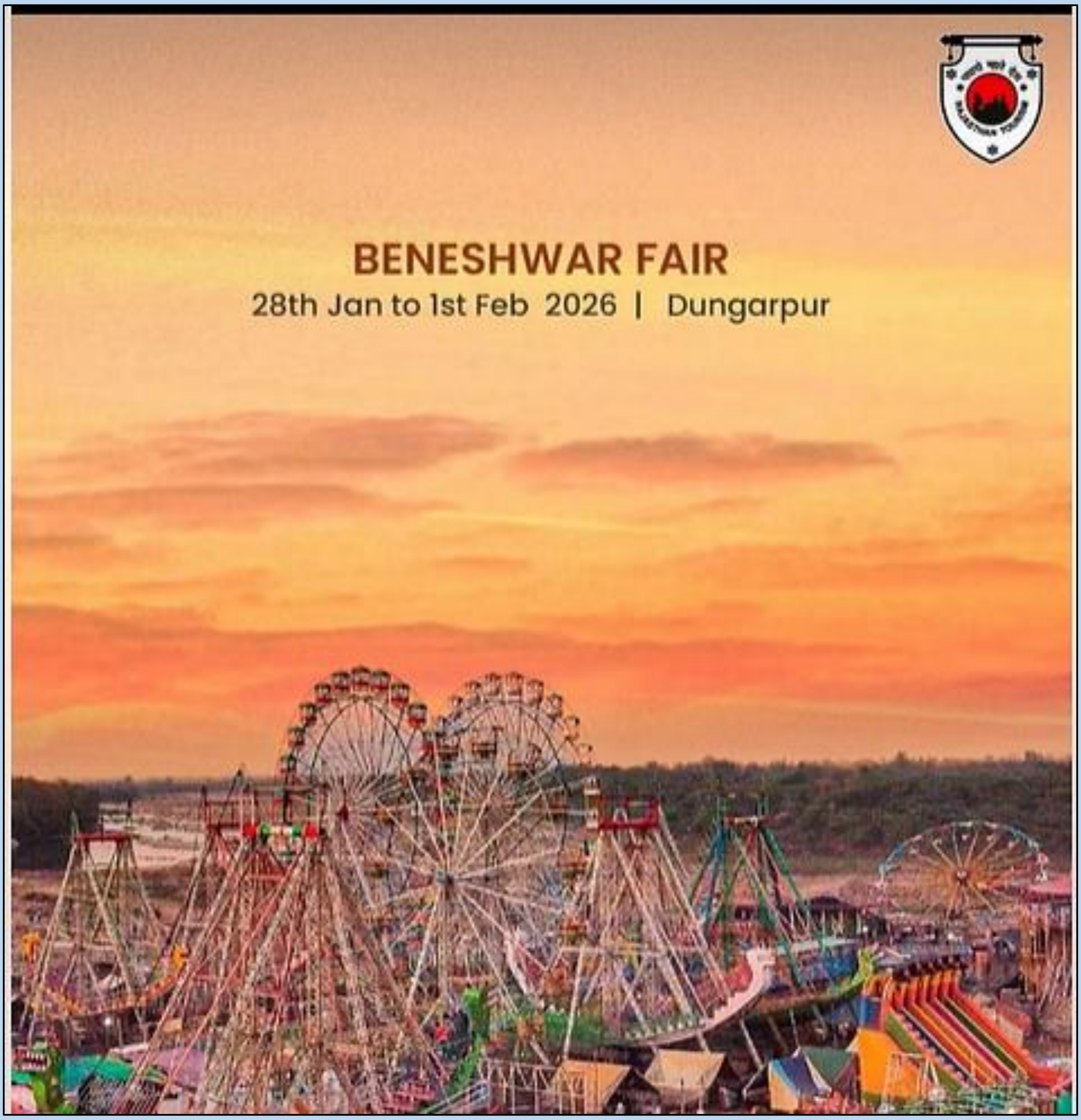

- **आयोजन :** 28 जनवरी से 1 फरवरी, 2026 तक।
- **आयोजक :** राजस्थान पर्यटन विभाग।,
- प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा को डूँगरपुर में सोम-माही-जाखम नदियों के त्रिवेणी संगम पर बेणेश्वर मेले का आयोजन किया जाता है। इसे भीलों/आदिवासियों/वागड़ का कुंभ/वागड़ का प्रयागराज भी कहा जाता है।
- यहाँ स्थित शिवलिंग विश्व का एकमात्र शिवलिंग है जो पाँच तरफ से खंडित है।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	1st ऑल इंडिया फायर सर्विस स्पोर्ट्स मीट : उदयपुर

- **आयोजन :** 1st ऑल इंडिया फायर सर्विस स्पोर्ट्स मीट का आयोजन उदयपुर के खेलगाँव में किया जा रहा है।
- **अवधि :** 27 से 31 जनवरी, 2026 तक।
- **आयोजक :** अखिल भारतीय फायर सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (AIFSSCB)।
- **प्रतिभागी :** 2,000 से ज़्यादा फायर फाइटर, जिसमें एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और अलग-अलग राज्यों की फायर सर्विस की टीमें शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

5.	**ऑनलाइन सर्वेक्षण में राजस्थान की झाँकी तीसरे स्थान पर** ■ नागरिकों को अपनी पसंदीदा झाँकी और मार्चिंग दस्ते के लिए मतदान करने के लिए माईगव पोर्टल (MyGov) पर किए गए ऑनलाइन सर्वेक्षण में राजस्थान की झाँकी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। ■ प्रथम और द्वितीय स्थान क्रमशः गुजरात और उत्तर प्रदेश की झांकियों का रहा। ■ **राजस्थान की झाँकी का विषय :** रेगिस्तान का सुनहरा स्पर्श : बीकानेर की स्वर्ण कला (उस्ता कला)।
6.	**नरेन्द्र कुमार शारदा को लाइफ टाइम मेरिटोरियस सर्विस अवार्ड–2025** ■ शुष्क वन अनुसन्धान संस्थान, जोधपुर के निजी सचिव नरेन्द्र कुमार शारदा को गणतंत्र दिवस पर ICFRE (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद), देहरादून में ICFRE लाइफ टाइम मेरिटोरियस सर्विस अवार्ड–2025 से सम्मानित किया गया।
7.	**दिलीप सिंह शेखावत** ■ राजस्थान के दिलीप सिंह शेखावत ने बैंकॉक में आयोजित दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (SAFF) कांग्रेस 2026 में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) का प्रतिनिधित्व किया।

CIVIL SERVICES

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

4B आंदोलन

चर्चा में क्यों?

- दक्षिण कोरिया में उत्पन्न कट्टरपंथी नारीवादी आंदोलन '4B आंदोलन', पितृसत्ता, लैंगिक हिंसा और महिलाओं की स्वायत्तता के कारण चर्चा में रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय :** 4B आंदोलन एक नारीवादी प्रतिरोध ढाँचा है जहाँ महिलाएँ पितृसत्ता से जुड़ी चार प्रमुख संस्थाओं में भागीदारी से इनकार करती है:
  1. कोई विवाह नहीं
  2. कोई डेटिंग नहीं
  3. कोई प्रसव नहीं
  4. कोई लैंगिक सम्बन्ध नहीं

आंदोलन का इतिहास :

- **शुरुआत:** वर्ष 2010 में दक्षिण कोरिया।
- लंबे समय से चली आ रही लैंगिक असमानता, ऑनलाइन महिला द्वेष और संस्थागत उदासीनता में निहित।

विशेषताएँ:

1. पितृसत्तात्मक व्यवस्था को चुनौती।
2. महिलाओं पर थोपे गए अवैतनिक देखभाल कार्य, भावनात्मक श्रम और प्रजनन संबंधी अपेक्षाओं को अस्वीकार करना।
3. महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता, सहमति और आत्मनिर्णय का प्रबल समर्थन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

यूराटॉम

चर्चा में क्यों?

- भारत और यूरोपीय संघ ने भारत-यूराटॉम समझौते के तहत् परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है।

मुख्य बिन्दु:

यूराटॉम

- **स्थापना:-** वर्ष 1957, रोम संधि के तहत्।
- यूरोटॉम वास्तव में यूरोपीय परमाणु ऊर्जा समुदाय का संक्षिप्त रूप है।
- **उद्देश्य:-** परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना। यह नागरिक परमाणु सामग्री के सैन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग करने से रोकने का कार्य करता है।
- भारत और यूरोपीय संघ ने जुलाई, 2020 में यूराटॉम के साथ परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोगों पर अनुंसधान एवं विकास समझौता किया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 को अधिसूचित किया है।

मुख्य बिन्दु:

- **आधार:** ये नियम पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम, 1986 के अंतर्गत अधिसूचित किए गए है।
- **प्रतिस्थापित:** यह ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 का स्थान लेंगे।
- **प्रभावी :** 1 अप्रैल, 2026 से।

मुख्य प्रावधान :

1. **एकीकृत:** संशोधित नियम परिपत्र अर्थव्यवस्था एवं विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व के सिद्धांतों को एकीकृत करते हैं, जिसमें कचरे का कुशल पृथक्करण एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया है।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2. **पर्यावरण क्षतिपूर्ति:** नियमों में 'प्रदूषक भुगतान सिद्धांत' के आधार पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति लगाने का प्रावधान है जिसमें पंजीकरण के बिना संचालन, गलत रिपोर्टिंग, जाली दस्तावेज प्रस्तुत करना या ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसी गलत प्रथाएँ शामिल है।
3. **क्रियान्वयन:** केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संबंधित दिशा-निर्देश तैयार किया जाएगा जबकि राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और प्रदूषण नियंत्रण समितियाँ पर्यावरण क्षतिपूर्ति लगाएंगी।
4. **अपशिष्ट पृथक्करण:** नियमों के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट के स्रोत का 4 स्तरीय पृथक्करण अनिवार्य है।

अपशिष्ट	प्रबंधन
गीला अपशिष्ट (फल-सब्जियाँ)	जैविक खाद व जैव मेथेनिकरण।
सूखे अपशिष्ट (कागज, काँच, रबर इत्यादि)	छंटाई व पुनर्चक्रण।
स्वच्छता अपशिष्ट (डायपर, सैनिटरी जैसे अपशिष्ट)	सुरक्षित अलग संग्रहण।
विशेष देखभाल अपशिष्ट (बल्ब, थर्मामीटर, दवाइयाँ जैसे)	एकत्रित व निर्दिष्ट संग्रहण केन्द्रों पर जमा।

5. **थोक अपशिष्ट उत्पादकों की स्पष्ट परिभाषा:** वह संस्थाएँ जिनका क्षेत्रफल 20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक हो, जल खपत 40,000 लीटर या उससे अधिक जिनका ठोस अपशिष्ट उत्पादन 100kg या उससे अधिक प्रतिदिन हो।
6. अपशिष्ट प्रसंस्करण के लिए तीव्र भूमि आवंटन एवं संपूर्ण ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की ऑनलाइन केंद्रीकृत पोर्टल के माध्यम से निगरानी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पेरिस जलवायु समझौता

चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राज्य अमेरिका आधिकारिक तौर पर दूसरी बार पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते से बाहर हो गया है।

मुख्य बिन्दु:

पेरिस समझौता:-

- **पृष्ठभूमि:-** इसे वर्ष 2015 में पेरिस में आयोजित UNFCCC-COP21 में अपनाया गया था। यह वर्ष 2016 में लागू हुआ।
- **प्रकृति:-** यह विधिक रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि है।
- **पक्षकार:-** 195 (194 देश+यूरोपीय संघ) भारत इसका पक्षकार देश है।
- **मुख्य उद्देश्य:-** वर्ष 2100 तक वैश्विक तापवृद्धि को औद्योगिक क्रांति से पूर्व के स्तर से 2°C से नीचे रखना।
- वैश्विक तापवृद्धि को 1.5°C तक सीमित करने के प्रयास जारी रखना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

पंचम चैटबॉट

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पंचायतीराज मंत्रालय ने पंचायतों की सहायता और संदेश चैटबॉट "पंचम" का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय :** यह पंचायतों के एक डिजिटल सहयोगी के रूप में डिज़ाइन किया गया उपकरण है जो समयबद्ध रूप से प्रासंगिक मार्गदर्शन, सरलीकृत कार्यप्रवाह और दिन-प्रतिदिन के शासन और सेवा वितरण कार्यों की आमजन तक पहुँच सुनिश्चित करता है।
- **सहयोग:** यह यूनिसेफ के सहयोग से विकसित किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **उद्देश्य : पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को सशक्त बनाने हेतु एक डिजिटल पहल के रूप में शुरू किया गया।**

विशेषताएँ:

1. **सीधा संपर्क : यह पहली बार भारत सरकार और संपूर्ण भारत की पंचायतों के मध्य सीधा संपर्क करता है।**
2. **भाषा समर्थन: यह भाषिनी के साथ एकीकृत किया तथा 22 भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है।**
3. **नागरिकों तक पहुँच, दोतरफा संचार, त्वरित निर्णय, सूचना प्रसार आदि।**

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

निपाह वायरस

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र के अनुसार विगत दो महीनों में पश्चिमी बंगाल में निपाह वायरस संक्रमण के केवल दो मामलों की पुष्टि हुई है।

मुख्य बिन्दु:

निपाह-अतिरिक्त जानकारी:-

- **प्रकृति:** जूनोटिक वायरस (पशुओं से मनुष्यों में)
- **संक्रमण के प्राकृतिक स्रोत:-** फ्रूट बैट, जिन्हें फ्लांइग फॉक्स के नाम से भी जाना जाता है।
- मनुष्य से मनुष्य में – संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक द्रवों के निकट संपर्क से।
- **पहली बार पहचान:-** 1999 में मलेशिया और सिंगापुर में (चमगादड़-सुअर-मनुष्य)
- **लक्षण सामने आने की अवधि:-** 4-14 दिन।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजव्यवस्था

राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 2026

चर्चा में क्यों?

- प्रतिवर्ष 25 जनवरी को भारतीय निर्वाचन आयोग (25 जनवरी, 1950) की स्थापना के प्रतीक के रूप में राष्ट्रीय मतदाता दिवस आयोजित किया जाता है।
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 2026 का विषय: "मेरा भारत, मेरा वोट"।
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 2026 की टैगलाइन: "भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में नागरिक"।

मुख्य बिन्दु:

वर्ष 2026 में सर्वश्रेष्ठ चुनाव जिला पुरस्कार :

- **प्रदानकर्त्ता :** राष्ट्रपति।
- **प्राप्तकर्त्ता राज्य :** बिहार, केरल, ओडिशा, गुजरात, तमिलनाडु, मेघालय, मिजोरम, उत्तर प्रदेश, झारखंड व दिल्ली।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **योगदान :** चुनावों में प्रौद्योगिकी उपयोग, चुनाव प्रबंधन, मतदाता जागरूकता, आदर्श आचार संहिता के प्रवर्तन व प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए।
- **प्रकाशन :** नव चुनाव दिवस, 2026 के अवसर पर" 2025 : पहलों और नवाचारों का वर्ष" और चुनाव का पर्व, बिहार का गर्व" नामक प्रकाशन जारी किए गए।

केंद्रीय निर्वाचन आयोग:

- **स्थापना :** 25 जनवरी, 1950
- **संवैधानिक प्रावधान :** भाग-15, अनुच्छेद-324 से 329।
- **संरचना :** 1 मुख्य निर्वाचन आयुक्त + 2 निर्वाचन आयुक्त।
- **कार्यकाल :** 6 वर्ष या 65 वर्ष (जो भी पहले हो।)
- **नियुक्त :** राष्ट्रपति।
- **हटाना :** राष्ट्रपति (आधार; सिद्ध कदाचार व अक्षमता)

चुनाव सुधार:

1. **मतदाताओं के लिए फोटो पहचान पत्र (वर्ष 1993):** फर्जी मतदान और प्रतिरूपण को रोकने हेतु मतदाता फोटो पहचान पत्र (EPIC) योजना शुरू की गई।

- वर्ष 2004 में इस पहल को फोटो मतदाता सूची (PER) को शामिल करने के लिए विकसित किया गया।
- वर्ष 2021 में E- EPIC लॉन्च किया गया।

2. **इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM: वर्ष 1998):** पहली बार वर्ष 1982 में प्रायोगिक तौर पर केरल चुनाव में उपयोग किया गया।

- EVM को औपचारिक रूप से बड़े पैमाने पर वर्ष 1998 में मध्य प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली राज्य विधानसभा में किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3. **व्यवस्थित मतदाता शिक्षा व चुनावी भागीदारी (SVEEP; वर्ष 2009):** यह मतदाता शिक्षा के लिए ECI का प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य शहरी उदासीनता और युवाओं की अरुचि को दूर कर भागीदारी अंतर को पाटना है।
4. **राष्ट्रीय मतदाता सूची शुद्धिकरण और प्रमाणीकरण कार्यक्रम (NERPAP):** EPIC डेटा को आधार से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष 2015 में चलाया गया।
5. **मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल (BBPAT; वर्ष 2013):** वर्ष 2013 में उच्चतम न्यायालय के निर्देश (सुब्रमण्यम स्वामी बनाम ECI) के बाद EVM में सत्यापन की एक अतिरिक्त परत जोड़ने के लिए BBPTA को पेश किया गया था।
6. **दिव्यांगजनों, असक्षम व्यक्तियों के लिए सुलभ मतदान :** वर्ष 2018 को ECI ने "सुलभ चुनावों का वर्ष" घोषित किया था।
7. **अन्य:** ERO-NET (वर्ष 2018), CVIGIL APP (वर्ष 2018), विशेष गहन संशोधन (SIR; वर्ष 2025) और ECINET (वर्ष 2026)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्चतर शिक्षण संस्थाओं में समानता का संवर्धन) विनियम-2026

चर्चा में क्यों?

- केन्द्र सरकार ने आश्वासन दिया है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के नए दिशानिर्देशों का दुरुपयोग नही किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- ये विनियम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2025 के अनुरूप है। ये भारत के सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा मानद विश्वविद्यालयों पर लागू होते है।

प्रमुख प्रावधान:

- **उच्चतर शिक्षण संस्थाओं के कर्त्तव्य:** प्रत्येक उच्चतर शिक्षण संस्थान को भेदभाव रोकना और समाप्त करना होगा। सभी हितधारकों के बीच समानता को बढ़ावा देने और नियमें के सख्त कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होंगे।
- **समान अवसर केन्द्र:** वंचित समूहों की सहायता मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने तथा समावेशी कार्यक्रम संचालित करने के लिए एक EOC स्थापित किया जाएगा।
- **समानता दस्ते और समानता दूत:** संस्थाओं को परिसर में सतर्कता के लिए समानता दस्ते बनाने होंगे। समानता को बढ़ावा देने व उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए समानता दूत नियुक्त करने होंगे।
- **समानता समिति:** SC/ST/OBC/महिला/दिव्यांगों के प्रतिनिधित्व वाली एक समानता समिति शिकायतों की जाँच करेगी तथा 15 कार्यदिवसों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी।
- **शिकायत निवारण और अपील:** समानता समिति की रिपोर्ट से असंतुष्ट व्यक्ति रिपोर्ट प्राप्ति के 30 दिनों के भीतर ओम्बूड्सपर्सन के समक्ष अपील कर सकेगा।
- ओम्बुड्सपर्सन 30 दिनों के भीतर अपील का निपटान करने का प्रयास करेगा।
- **निगरानी तंत्र:** राष्ट्रीय निगरानी तंत्र स्थापित किया जाएगा और समान अवसर केन्द्र के कामकाज पर वार्षिक रिपोर्ट अनिवार्य होगी।
- **दण्ड:** नियमों की पालना न करने वाली संस्थाओं को UGC की योजनाओं से वंचित किया जा सकता है। तथा मान्यता प्राप्त संस्थाओं की सूची से हटाया जा सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास

बौद्ध डायमंड ट्रायंगल

चर्चा में क्यों?

- यूनेस्को विश्व धरोहर केन्द्र ने ओडिशा के बौद्ध डायमंड ट्रायंगल (ललितगिरि - उदयगिरि - रत्नागिरि) को विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में आधिकारिक रूप से शामिल किया।

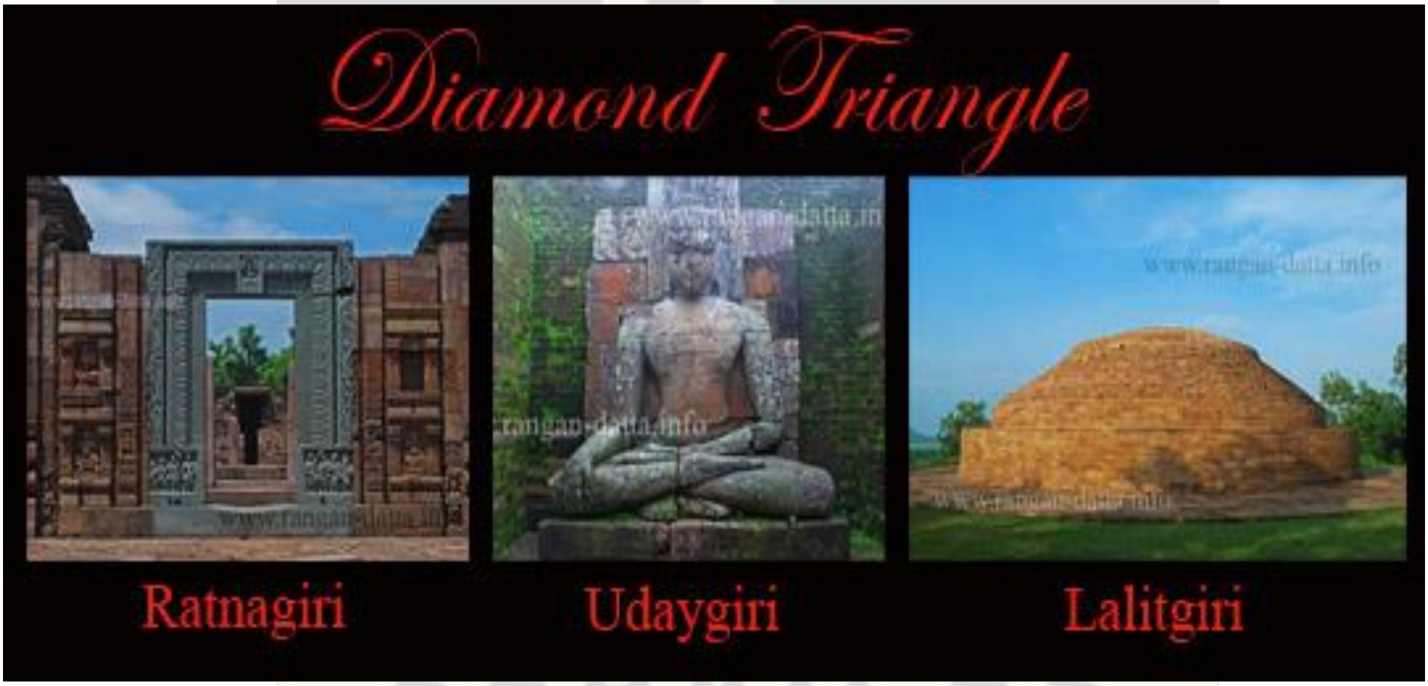

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह ओडिशा के जाजपुर और कटक जिलों में स्थित तीन परस्पर जुड़े मठ परिसरों का एक क्रमबद्ध सांस्कृतिक नामांकन है।
- यह स्थल अद्वितीय है क्योंकि यह 1500 वर्षों के निरंतर इतिहास को दर्शाता है तथा बौद्ध धर्म के 3 प्रमुख संप्रदायों के माध्यम से हुए परिवर्तन को प्रदर्शित करता है:

1. थेरवाद/हीनयान। 2. महायान। 3. वज्रयान/गूढ बौद्ध धर्म।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **अवधि :** 5वीं से 13वीं शताब्दी ईस्वी (भौमा-कारा राजवंश; 8वीं से 10वीं शताब्दी ईस्वी में चरम पर)।
- चीनी तीर्थयात्री जुआनज़ैंग (ह्युन त्सांग) ने 639 ईस्वी में उड़ीसा की यात्रा की तथा बौद्ध धर्म की समृद्धि का वर्णन किया।
- **अवशेष :** बड़ी संख्या में मूर्तियों, प्रतिमाओं, प्राचीन वस्तुओं के टुकड़े, पत्थर की पट्टियों, मिट्टी के बर्तनों, सिक्कों, टेराकोटा की पट्टियों और कई विशाल स्तूपों ने शुआनज़ैंग द्वारा वर्णित पुष्पगिरि विश्वविद्यालय नामक परिसर के खंडहर (ललितगिरि-उदयगिरि-रत्नागिरि) है जो नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय के समान दर्जा प्राप्त था।

1. ललितगिरि (लाल पहाडी):

- **परिचय:** ओडिशा (कटक) के सबसे प्राचीन बौद्ध स्थलों में से एक व सबसे पवित्रस्थल है ।
- **अवधि:** यह त्रिभुजाकार क्षेत्र मौर्योत्तर काल से 13वीं शताब्दी ईस्वी तक की संस्कृति की निरंतरता को दर्शाता है।
- **अवशेष :** एक विशाल स्तूप जिनमें सोने, चाँदी और पत्थरों से बने पवित्र अवशेषों के ताबूत है (भगवान बुद्ध के अवशेष), विशाल अर्द्धवृत्ताकार चैत्यगृह, विभिन्न हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियाँ।
- **संबंध:** महायान (विभिन्न मुद्राओं में बुद्ध आकृतियाँ), महायान और वज्रयान संप्रदाय।

2. उदयगिरि (कीमती रत्नों की पहाड़ी):

- **उपनाम :** माधवपुरा महाविहार।
- **अवधि :** 7वीं से 12वीं शताब्दी ईस्वी का प्रतिनिधित्व करती है।
- **अवशेष :** दो मंजिला मठ परिसर (8वीं शताब्दी ईस्वी), मंजुश्री, अवलोकितेश्वर, जटामुकुट लोकेश्वर की प्राचीन मूर्तियाँ और टेराकोटा की मुहरें।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3. रत्नागिरि (उगते सूरज की पहाडी):

- **संबंध :** व्रजयान बौद्ध धर्म का केंद्र।
- **अवशेष :** एक स्तूप मठ, मठ परिसर, मंदिर, मन्नत के स्तूप, तारा, वज्रपाणि और जम्भला सहित विभिन्न मूर्तियाँ।
- **महिला संरक्षण:** महिला भक्तों विशेष रूप से रानी कर्पूराक्षी का समर्थन प्राप्त था।
- **स्थापत्य :** उसके स्तूप बौद्ध रूपांकनों को ब्राह्मणवादी स्थापत्य शैलियों के साथ मिश्रित करते हैं।
- यहाँ से प्राप्त मूर्तियाँ बोरोबुदूर (इंडोनेशिया) और अनुराधापुरा (श्रीलंका) में प्राप्त बुद्धमूर्तियों से समानता रखती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

तेलुगु शिलालेख

चर्चा में क्यों?

- आंध्र प्रदेश के पिटिकायगुल्ला में 8वीं शताब्दी ईस्वी के शुरुआती दौर का एक तेलुगु शिलालेख खोजा गया।

मुख्य बिन्दु:

शिलालेख से प्राप्त जानकारी:

- **तेलुगु भाषा का आरंभिक विकास :** यह प्राकृत प्रभाव से तेलुगु के एक स्वतंत्र प्रशासनिक और साहित्यिक भाषा के रूप में विकास को प्रदर्शित करता है।
- **भाषा व लिपि:** यह शिलालेख तेलुगु भाषा व लिपि में उत्कीर्ण किया गया है।
- शिलालेख में "स्वस्तिश्री नंदेलु बारी, चेन्सिनबंधु प्राणि, मिल्ली अचारी" और "पदसीना नवा कट्टा" का पाठ शामिल है।

- इस कृति का श्रेय प्राणिमिल्ली अचारी नामक एक मूर्तिकार को दिया जाता है।
- यह कृति राजशाही प्रशासन के अधीन रेनाड्ड क्षेत्र की है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- **तेलुगु भाषा :** द्रविड़ भाषा की महत्त्वपूर्ण भाषाओं में से एक है।
- प्रोटो द्रविड़ भाषा लगभग 5000 वर्ष पूर्व दो भाषाओं में विभाजित हुई।
- 10वीं शताब्दी ईसा पूर्व में तेलुगु भाषा स्वतंत्र भाषा के रूप में उभरी।
- **तेलुगु भाषा के प्राचीनतम शिलालेख:** 575 ईस्वी के रेनाती चोलों से संबंधित प्राचीनतम शिलालेख आन्ध्र प्रदेश के कलामल्ला और एर्रागुडीपाडु से प्राप्त हुए।
- तेलुगु भाषा को भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची तथा वर्ष 2008 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया।

संगमकालीन पंच महाकाव्य :

महाकाव्य	लेखक	विवरण
शिलप्पदिकारम (उपनाम: तमिल साहित्य का इलियड)	इगंलो अडिगल	■ कोवलन और कन्नागी की कहानी का वर्णन। ■ समकालीन तमिल समाज, राजनीति और सामाजिक जीवन की जानकारी।
मणिमेखलै (उपनाम: तमिल साहित्य का ओडिसी)	सीतालैसत्तनार	■ शिलप्पदिकारम का सीक्वल; इसमें मणिमेखलै कोवलन की बेटी है जो माधवी की पुत्री है (बौद्ध भिक्षुणी)।
जीवक चिंतामणि	तिरुत्तकृदेव	■ जीवक से संबंधित (जैन धर्म)। ■ इसे ईश्वरीय पुस्तक और मनन्नुल (विवाहों की पुस्तक) भी कहा जाता है।
वलयपति	तमिल जैन भिक्षु	■ इसमें प्रारंभिक जैन धर्म में पायी जाने वाली विचारधाराओं का समर्थन किया गया।
कुंडलकेसी	नथाकुथानार	■ बौद्ध धर्म से संबंधित।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR